पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने पुस्तक 'योद्धा योगी' का लोकार्पण किया

लखनऊः 16 अक्टूबर, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज विधान सभा के सेन्ट्रल हाल में आयोजित एक समारोह में दैनिक 'टाइम्स आॅफ इण्डिया' के सहायक स्थानीय सम्पादक श्री प्रवीण कुमार द्वारा लिखित पुस्तक 'योद्धा योगी' का लोकार्पण किया। पूर्व में प्रकाशित मूल पुस्तक 'योगी आदित्यनाथः दाॅ राइज आॅफ सैफरन सोशलिस्ट' अंग्रेजी में है, जिसका अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद नवभारत टाइम्स के वरिष्ठ संवाददाता श्री प्रेम शंकर मिश्र ने किया है। इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित, संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री श्री सुरेश खन्ना, राज्य मंत्री डाॅ0 महेन्द्र सिंह, राज्य मंत्री श्रीमती अनुपमा जायसवाल व अन्य विशिष्ट जन उपस्थित थे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित पुस्तक वास्तव में बोलती हुई किताब है, जिसकी भाषा भी सुन्दर है और शीर्षक आकर्षित करने वाला है। पुस्तक इस बात का भी परिचय देती है कि कैसे एक सामान्य व्यक्ति सन्त से लेकर मुख्यमंत्री पद तक की यात्रा करता है। योगी जी समाज कार्य करने वाले सन्त हैं। उनकी कार्यशैली प्रभावित करने वाली है तथा दूसरों के अच्छे एवं तर्कसंगत सुझाव मानना उनके व्यक्तित्व का अद्भुत पक्ष है। उन्होंने कहा कि पुस्तक को दो भाषाओं तक सीमित न रखते हुए अन्य भाषाओं में भी अनुवाद होना चाहिए। राज्यपाल ने इलाहाबाद का नाम कुम्भ से पहले प्रयागराज करने के निर्णय की सराहना की। श्री नाईक ने मुख्यमंत्री के गुरू महन्त अवैद्यनाथ को याद करते हुए कहा कि वे लोक सभा में उनके सहयोगी रहे हैं। महन्त अवैद्यनाथ वास्तव में योगी जी के शिल्पकार हैं और समाज सेवा का संकल्प योगी जी को अपने गुरू से विरासत में मिला है। योगी जी पांच बार लोक सभा के सदस्य रहे हैं। उनका एक साहित्यिक पक्ष भी है, उन्होंने गोरखनाथ मंदिर से प्रकाशित 'योगवाणी' सहित 'हठयोगः स्वरूप और साधना' व अन्य कई पुस्तकें भी लिखी हैं। वे सन्त के साथ-साथ एक लोकप्रिय जनप्रतिनिधि भी हैं इसलिए आम आदमी को उनके जीवन की जानकारी होना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस का आयोजन करके उत्तर प्रदेश को एक नई पहचान दी है।

राज्यपाल ने चुटकी लेते हुए कहा कि पुस्तक में राज्यपाल का एक चित्र के अलावा और कहीं नाम नहीं है जबकि संविधान के अनुसार राज्यपाल ही मुख्यमंत्री को नियुक्ति करता है और पद की शपथ भी दिलाता है। इसलिए उनको भी श्रेय मिलना चाहिए। इस कार्यक्रम से पूर्व राज्यपाल ने विधान भवन में महात्मा गांधी तथा मुख्यमंत्री दीर्घा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं सेंट्रल हाल में विधान सभा अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित के तैल चित्र का अनावरण भी किया।

विधान सभा अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि देश के ऐसे व्यक्तित्व पर पुस्तक लिखी गई है जिसके बारे में लोग विदेश में भी जानना चाहते हैं। पुस्तक में योगी आदित्यनाथ के जीवन के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला गया है।

योगी आदित्यनाथ इसलिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे राष्ट्रवाद और भारतीय संस्कृति के पक्षधर हैं। उन्होंने कहा कि लेखक की लेखनी शैली अद्भुत है।

नगर विकास और संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश खन्ना ने कहा कि योगी आदित्यनाथ एक सामान्य परिवार में पले बढ़े हैं और आज उत्तर प्रदेश जैसे बड़ी आबादी वाले 22 करोड़ लोगों के मुख्यमंत्री हैं। ऐसे में उनके प्रति लोगों की जिज्ञासा स्वाभाविक है। योगी जी आम आदमी के जीवन को बेहतर बनाने के लिए मेहनत और परिश्रम के बल पर बदलाव लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ईमानदार मुख्यमंत्री के रूप में उनका यश बढ़ा है।

कार्यक्रम में फिल्म निदेशक एवं कलाकार श्री सतीश कौशिक, श्री दयाशंकर सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे। स्वागत उद्बोधन लेखक श्री प्रवीण कुमार के द्वारा दिया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन टाइम्स आॅफ इण्डिया मे स्थानीय संपादक श्री राजा बोस ने किया।

अंजुम/दिलशाद/राजभवन (400/25)